

01. इस जन प्रलय में

— फणीश्वरनाथ रेणु

01.

बाढ़ की खबर सुनकर लोग किस तरह की तैयारी करने लगे? बाढ़ की खबर सुनकर लोग चिंतित हो रहे थे। इससे पहले आई बाढ़ों को उन्होंने नहीं देखा था। बाढ़ का पानी कब तक अरे, इस बारे में कुछ निश्चित नहीं था। बाढ़ के कारण उन्हें अनेक परेशानियाँ झेलनी पड़ती हैं। दुकानें बंद हो जाती हैं तथा आने-जाने वाले रास्ते बंद हो जाते हैं। इन सभी आने वाली कठिनाईयों का अनुमान कर लोगों ने अपने घर में ईंधन, खा-खादपदार्थ, दिया-सलाई, कांपोज की भोलियाँ, मोम-बत्तियाँ, पीने का पानी आदि सामग्रियों का प्रबंध करने लगे। दुकानदार अपने सामान को जल्दी से ऊपर ले जाने चाहते थे। लोग अपने सामान को रिक्शा, तम्बू, टम्पो और ट्रकों में नाँदकर ऊपरी स्थान की ओर जाने की तैयारी करने लगे।

02.

बाढ़ की सही जानकारी लेने और बाढ़ का रूप देखने के लिए लेखक क्यों उत्सुक था?

मानव होने के नाते लेखक भी बाढ़ का पानी देखने हेतु जिज्ञासा से भरे थे। उन्होंने कभी बाढ़ का अनुभव नहीं किया था लेकिन फिर भी वह बाढ़ की कहानी, उपन्यास, रिपोर्ट लिख चुके थे। बाढ़ग्रस्त स्थान को देखना तथा बाढ़ के पानी को आते हुए देखना दोनों का अनुभव बिल्कुल अलग होता है। लेखक के मन में भी यह इच्छा थी कि बाढ़ में कैसे बहुत लोगों का व्यवहार कैसा रहता है। बाढ़ आने पर लोगों को क्या-क्या परेशानियाँ झेलनी पड़ सकती हैं।



03.

सबकी जुबान पर एक ही जिज्ञासा - "पानी कहाँ तक आ गया है?"

इस कथन से जनसमूह की कौन-सी भावना व्यक्त होती है?

सन् 1967 में पटना में लातार अठारह घंटे तक वर्षा होती रही। इससे वर्षा का पानी राजेंद्र नगर, कंकड़बाग, आदि निचले हिस्से में भर गया। यह पानी बढ़ते हुए शहर के अनेक क्षेत्रों के सब चीज को डूबाता जा रहा था। निचले हिस्से में रहने वाले लोगों का चेहरा आतंक से पीला पड़ चुका था। हर व्यक्ति यह जानना चाहता था कि बाढ़ का पानी कहाँ तक पहुँचा है और उसकी कॉलोनी में पहुँचने में कितना समय लग सकता है। इसके अतिरिक्त इस आपदा से बचने के लिए उन्हें क्या-क्या आय अपनाना चाहिए। इस प्रकार लोगों के कथन में अत्यधिक जिज्ञासा की भावना व्यक्त होती है।

04.

'मृत्यु का तरल दूत' किसे कहा गया है और क्यों?

इस जल प्रलय पाठ में मृत्यु का तरल दूत बाढ़ के उस पानी को कहा गया है जो ऊँचे-नीचे स्थानों को डूबोता हुआ लोगों को अभ्यर्भीत करता हुआ मृत्यु का संदेश लेकर आता है। इस जल प्रलय में न जाने कितने प्राणियों को ~~ह~~ अज्ञात दिया था और बेघर करके ~~है~~ मौत की नींद सुना दिया था। इस तरल दूत के कारण काफी जान-माल का नुकसान हुआ। इसलिए इसे मृत्यु का तरल दूत कहा जाता है।



05. आपदाओं से निपटने के लिए अपनी तरफ से कुछ सुझाव दीजिए।  
आपदाओं से निपटने के लिए मैं अपनी तरफ से कुछ सुझाव देना चाहूँगा -

- ① बाढ़ आने की संभावना को देखते हुए कुछ आवश्यक वस्तुओं जैसे मोम-बत्ती, सलाह, ईंधन, सब्जियाँ, राशना इत्यादि वस्तुओं का प्रबंध कर लेना चाहिए।
- ② बाढ़ के साथ-साथ कुछ जहरीले कीड़े-मकोड़े घर में आ जाते हैं। इनसे बचने का प्रबंध करना चाहिए।
- ③ बाढ़ आने की संभावना में वस्तुओं को ऊँचाई वाली जगह पर रख देना चाहिए।
- ④ बाढ़ आने प्राथमिक उपचार में काम आने वाली दवाएँ जबर रख लेनी चाहिए।

06. 'ईह! जब ढानापुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू लोग उल्टकर देखने देखे भी नहीं गए ... अब बूझो!' - इस कथन द्वारा लोगों की किस मानसिकता पर चोट की गई है?

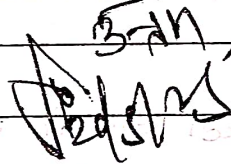
बाढ़ के प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए लेखक जब गाँधी मैदान की ओर गया तो उसने देखा कि गाँधी मैदान में इलिंग के सहारे हजारों भीड़-भाड़ का तमाशा देख रही थी। लेखक ने इतनी भीड़ वहाँ रामलीला के अवसर पर ही देखा था। पानी भरते देख भीड़ में से एक युवक ने कहा कि जब ढानापुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू तमाशा देख रहे थे, अब बूझो! इस कथन से संकुचित मानसिकता का पता चलता है।



Q7.

अरीद - बिक्री बंद हो चुकने पर भी पान की बिक्री अचानक क्यों बढ़ गई थी ?

सन् 1967 में पटना में लगातार अठारह ~~सप्ताह~~ लगातार वर्षा होती रही तो जगह-जगह पानी भर गया और बाढ़ का खतरा मँढ़ने लगा। ऐसे में लोग अपने-अपने आवश्यक सामान बाँधकर ऊँचे स्थानों पर जाने लगे। लोगों में इस बात को जानने की विशेष उत्सुकता थी कि बाढ़ का पानी कहाँ तक आ गया। वे घर से बाहर आ कर एक दूसरे से बाढ़ के बारे में पूछने लगे। बाढ़ के भये से सभी दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें बंद कर दी थी। सिर्फ पान की दुकान खुली थी। लोग बाढ़ का पानी का हाल-चाल जानने के लिए इकट्ठा हो रहे थे। वे वहाँ बात भी करते तथा पानी भी कहीं कहीं रहे थे। यही बात करने लगे। यही कारण था कि पान की बिक्री अचानक बढ़ गई।

उत्तर  




08.

जब लेखक को यह अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी दुसने की संभावना है तो उसने क्या-क्या <sup>प्रबंध</sup> किया?

लेखक को जब यह अहसास हुआ कि बाढ़ का पानी उसके इलाके में भी दुस सकता है, तो वह चिंतित हो उठे। इसके लिए उसने अपने लिए कुछ आवश्यक सामान को इकट्ठा करना शुरू कर दिया। उसने सबसे पहले सिनिंडर, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और कामंपोज़ की गोलियाँ आदि की व्यवस्था की।

09.

बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में कौन-कौन सी बीमारियों के फैलने की आशंका <sup>रहती</sup> है? बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में चारों ओर पानी भर जाता है। कुछ समय बाद यह पानी तो घट जाता है, पर गड़े या निचले स्थानों में फिर भी जमा रह जाता है। पेट बार-बार पानी में पड़ने के कारण पकाही याव जैसा रोग उत्पन्न हो जाता है। दूषित पानी तथा खाद्य पदार्थ पीने-खाने के कारण डायरिया, मलेरिया आदि बीमारियाँ फैलने की आशंका रहती है।

10.

नौजवान के पानी में उतरने ही कुत्ता पानी में कूद गया। दोनों ने किन भावनाओं के वशीभूत होकर ऐसा किया?

बाढ़ पीड़ितों की सहायता करने के लिए एक गाँव में जब लेखक पहुँचा तो नाव पर अन्य लोगों के अलावा डॉक्टर भी थे। वहाँ बीमार ~~व्यक्तियों~~ व्यक्तियों को नाव में बैठाया जा रहा था। उन्हें कैंप ले जाना था। एक बीमार नौजवान के साथ उसका कुत्ता भी आनाव पर चढ़ आया। डॉक्टर साहब अचम्बित हो चिल्लाते लगे। बीमार नौजवान पानी में उतर गया, उसके पानी में उतरते ही उसका कुत्ता भी पानी में उतर गया। कुत्ते ने ऐसा करके स्वामिभक्ति का परिचय दिया।